

मुंबई के लीलावती अस्पताल में विशेष किडनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन



मुंबई(अनिल बेदाग) : किडनी के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और किडनी की बीमारियों का समय रहते पता लगाने के लिए, लीलावती अस्पताल में किडनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया है। कार्यक्रम में किडनी की बीमारियों पर एक सत्र, मरीज और कर्मचारियों द्वारा एक प्रतिभा प्रदर्शन और एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 'कौन बनेगा किडनी पति' भी शामिल थी, जिसके बाद पुरस्कार वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में लीलावती अस्पताल के स्थायी ट्रस्टी राजीव मेहता, अस्पताल के सीईओ डॉ. नीरज उत्तमानी, नेफोलॉजिस्ट डॉ. हेमंत मेहता, डॉ. के.एल. उपाध्या, डॉ. अरुण शाह, डॉ. एल.एच. सूरतकल, डॉ. वासी शेख और डॉ. नागेश्वर पांचाल उपस्थित थे।

अस्वस्थ जीवनशैली, खराब खान-पान की आदतों और जागरूकता की कमी के कारण सभी आयु वर्ग के लोगों में किडनी की बीमारियाँ बढ़ रही हैं। मधुमेह, उच्च रक्तचाप और निर्जलीकरण जैसी स्थितियाँ किडनी की समस्याओं में योगदान करती हैं। यदि निदान न किया जाए, तो किडनी की समस्याएँ क्रोनिक किडनी रोग और यहाँ तक कि किडनी फेलियर का कारण बन सकती हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समय पर जाँच, विशेषज्ञ परामर्श और किडनी के स्वास्थ्य को बनाए रखने और जटिलताओं को रोकने के बारे में आवश्यक शिक्षा प्रदान करना है। यह जोखिम वाले व्यक्तियों के लिए एक वरदान होगा, जो उन्हें किडनी की देखभाल के लिए इलाज करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

लीलावती अस्पताल के नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. हेमंत मेहता ने कहा, “गुर्दे की बीमारियाँ धीरे धीरे बढ़ती हैं। बिमारी का समय रहते पता न चलने के कारण डायलिसिस या प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है।

नियमित जांच के माध्यम से प्रारंभिक निदान गंभीर जटिलताओं को रोक सकता है और गुर्दे से संबंधित विकारों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित कर सकता है। लीलावती अस्पताल की यह पहल लोगों को किडनी के स्वास्थ्य, समय पर निदान और ज़रूरतमंद लोगों के लिए उपचार की उपलब्धता के महत्व को समझने में मदद करेगी। कार्यक्रम में किडनी के मरीजों ने भाग लिया, जिनमें से कई मरीज काफी सालों से डायलिसिस पर हैं।”

लीलावती अस्पताल के स्थायी ट्रस्टी प्रशांत मेहता ने कहा, “हम इंटरैक्टिव मेडिकल कैंप और शैक्षिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से स्वास्थ्य की सुरक्षा और सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि अधिक से अधिक लोगों का निदान और इलाज समय रहते होना जरूरी है। क्योंकि जल्दी इलाज हुआ तो जटिलता को रोका जा सकता है।”

लीलावती अस्पताल के स्थायी ट्रस्टी राजीव मेहता ने कहा, “विश्व किडनी दिवस किडनी के स्वास्थ्य के महत्व और रोकथाम योग्य जटिलताओं को कम करने में नियमित जांच की याद दिलाता है। इस वर्ष की थीम – ‘क्या आपकी किडनी ठीक है’, जल्दी पता लगाना और किडनी के स्वास्थ्य की रक्षा करना हर जगह लोगों को जोखिम कारकों को पहचानने और स्वस्थ जीव-शैली विकल्पों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है क्योंकि लाखों लोग वैश्विक स्तर पर इससे प्रभावित हैं। अधिकांश गंभीर किडनी रोगों से पीड़ित हैं। प्रारंभिक पहचान एक महत्वपूर्ण अंतर ला सकती है क्योंकि किडनी रोग 15-20% वयस्कों को प्रभावित करते हुए चुपचाप बढ़ने के लिए जाने जाते हैं। किडनी की समस्या से पिडीत मरीजों के लिए अंग एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गंभीर जटिलताओं के उत्पन्न होने तक किडनी को अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है।

किडनी का प्रमुख कार्य शरीर से अपशिष्ट उत्पादों और अतिरिक्त तरल पदार्थ को फ़िल्टर करने की इसकी उल्लेखनीय क्षमता में निहित है और यह सुनिश्चित करता है कि शरीर इन अपशिष्ट उत्पादों और तरल पदार्थों के नाजुक संतुलन को बनाए रख सके। एक स्वस्थ किडनी रक्तचाप को स्थिर रख सकती है, उचित सेलुलर कार्यों के लिए एसिड बेस संतुलन, विषाक्त पदार्थों को हटा सकती है, खनिज और हड्डियों के स्वास्थ्य और लड़ने के लिए प्रतिरक्षा मॉड्यूलेटिंग पदार्थों का उत्पादन जारी रख सकती है। आगे की बीमारियों से बचें।

गुर्दे हमारे शरीर के गुमनाम नायक हैं जो चुपचाप महत्वपूर्ण कार्य करते हैं जो समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के लिए आवश्यक हैं। अपने गुर्दे की देखभाल करना आपके शरीर की जटिल प्रणाली को विकसित करने के लिए पोषण देने के बारे में है।”

लीलावती अस्पताल के सीईओ डॉ. नीरज उत्तमानी ने कहा, “यह जागरूकता कार्यक्रम कई लोगों को आशा प्रदान करता है, मरीजों को अपने गुर्दे के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और समय पर उपचार लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। बिमारी का जल्दी पता चले तो जटिलताओं को रोका जा सकता है, तथा इस तरह की पहल लोगों को स्वस्थ भविष्य के लिए सक्रिय कदम उठाने के लिए सशक्त बनाती है।